

झारखंड में 'ढाका' लखा हुआ घायल गदिध मला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में झारखंड के हज़ारीबाग ज़िले में एक बाँध में एक लुप्तप्राय सफेद पीठ वाला गदिध घायल अवस्था में पाया गया। गदिध के एक पैर में धातु की अँगूठी थी, जिस पर 'ढाका' शब्द लखा हुआ था।

मुख्य बदि

- पुलिस को संदेह है कि ढाका के पक्षी शोधकर्त्ता जॉन मालोट, जो बर्टिन स्थिति रॉयल सोसाइटी फॉर प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स से जुड़े हैं, ने ढाका से झारखंड तक पक्षी की गतविधियों पर नज़र रखने के लिये गदिध को सौर ऊर्जा चालति रेडियो ट्रैकिंग कॉलर पहनाने के बाद उसे छोड़ दिया।

सफेद पीठ वाला भारतीय गदिध



- वे मध्यम आकार के, गहरे रंग के गदिध हैं।
- वैज्ञानिक नाम: *Gyps bengalensis*
- वितरण: पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, म्यांमार (बर्मा), थाईलैंड, लाओस, कंबोडिया और दक्षिणी वियतनाम।
- नवास स्थान: ज्यादातर मैदानी इलाकों में और कम बार पहाड़ी इलाकों में पाए जाते हैं। खेती के नज़दीक के गाँवों तथा शहरों में भी देखे जा सकते हैं।
- वशिष्टाएँ:
 - वयस्क 75 से 85 सेमी. लंबे होते हैं।
 - गर्दन पर सफेद रफ, दुम और पंखों के नीचे का आवरण।
 - वयस्कों का रंग काला होता है, जबकि युवा भूरे रंग के होते हैं।
 - उनके पंखों का फैलाव 180 से 210 सेमी. होता है।
 - वज़न: 3.5 से 7.5 किलोग्राम तक होता है।
 - IUCN स्थिति: गंभीर रूप से लुप्तप्राय

